480

MASA-01

June - Examination 2018

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान

Paper - MASA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) राजन्त मध्वराणां गोपामृतस्य दीदिवम्।
वर्धमानं स्वे दमे।
उक्त मन्त्र किस सूक्त का है?

(ii) निरुक्त के अनुसार शाखा एवं अध्वर्यु शब्दों का निर्वचन कीजिए।

(iii) वरुण सूक्त के ऋषि का नाम बताइये।

(iv) पुरुष सूक्त के अनुसार यज्ञ के द्वारा कितने वेदों की उत्पत्ति हुई है? नाम सहित लिखिए।

(v) अग्निसूक्त के ऋषि तथा देवता का नाम लिखिये।

(vi) येन कर्माण्यपसो मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विदयेषु धीराः। उक्त मन्त्रांश किस सूक्त का है?

(vii) कृष्ण यजुर्वेद की शाखाओं को कितने मागों मे विभाजित किया है? नाम सहित बताइये।

(viii) वेदाङ्ग ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व लिखिए।

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित मन्त्रों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में लिखिए।

(i) यदङ्ग दाशुषे त्वमग्ने भद्रं करिष्यसि।
तत्तेत्सत्यमङ्गिरः।।

(ii) यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो यस्यामन्त्रं कृष्ट्यः संबभूवुः।
यस्पामिदं जिन्वति प्राणदेखत् सानो भूमिः पूर्वपेये दधातु।।

3) निम्न मेंसे किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषामें कीजिए।

(i) यज्ञेनं यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्।
ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्व साध्याः सन्ति देवाः।।

(ii) अहं रुद्राय धनुरातनोमि ब्रह्मद्विषे शखे हन्तवा ऊ ।
अहं जनाय समदं कृणोम्यहं द्यावापृथिवी आविवेश।।

4) प्रश्न संख्या 2 या 3 में प्रयुक्त किसी एक मन्त्र का पद–पाठ लिखिए।

5) निम्न में से किसी एकपर टिप्पणी लिखिए।
   (i) पृथिवीसूक्त।
   (ii) इन्द्रसूक्त।

6) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों का निरुक्त के आधारपर निर्वचन कीजिए।
   (i) पवित्रम्
   (ii) द्युम्नम्
   (iii) सस्निम्
   (iv) अदितिः

7) पुरुष सूक्त का वर्ण विषय लिखिए।

8) वैयाकरण वेदांग को परिभाषित कीजिए।

9) निरुक्त के अनुसार षड्भावविकार को समझाइए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) निरुक्त ग्रन्थ का महत्व सविस्तार लिखिए।

11) भाषा विज्ञान के विविध आयामों का स्पष्ट निरुपण कीजिए।

12) रुद्र सूक्त का विशद वर्णन कीजिए।

13) ध्वनिविज्ञान का परिचय प्रस्तुत करते हुए ध्वनिपरिवर्तन के कारण स्पष्ट कीजिए।